(62)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष सैध्दांतिक–प्रथम प्रश्न पत्र सत्र– 2017–18

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्नपत्र मे निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई–1

परिभाषाएँ

अ. संगीत, स्वर, अलंकार सप्तक, थाट, राग।

ब. आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी।

इकाई–2

निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह–अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण –

अ. यमन, बिलावल, खमाज।

ब. उपरोक्त रागों के प्रांरभिक पाँच अलंकारो का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

ब. सामान्य ज्ञान – सरगम, लक्षणगीत एवं छोटाख्याल।

इकाई–4

अ. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के दस थाट एवं उनके सांकेतिक चिन्ह।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित) –
त्रिताल, एकताल।

Sahasrabudhe S. Khanwalker

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष | सैध्दांतिक–द्वितीय प्रश्न पत्र | सत्र– 2017–18

पूर्णांक– 30
उत्तीर्णांक–11
आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई–1

परिभाषाएँ

अ. नाद, श्रुति, पूर्वांग, उत्तरांग, आश्रय राग।

ब. वर्जित स्वर, वक्र स्वर, कण स्वर, मींड, वर्ण।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण– भैरव, काफी, आसावरी।

ब. उपरोक्त रागों के प्रारंभिक पाँच अलंकारों का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. राग–जाति का सामान्य अध्ययन (औडव, षाडव, संपूर्ण)।

ब. राग की 09 उपजातियाँ।

इकाई–4

अ. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण राग।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल, चिन्ह सहित)– झपताल, चौताल।

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष | सत्र– 2017–18

प्रायोगिक

पूर्णांक– 70

उत्तीर्णांक– 23

सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी–

(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

1. समस्त रागों में प्रारंभिक पांच अलंकारो का गायन।
2. समस्त रागों में आरोह, अवरोह, पकड एवं सरगम का गायन।
3. समस्त रागों में लक्षणगीतों का गायन।
4. समस्त रागों में छोटा ख्याल का गायन।
5. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली देकर प्रस्तुति–
   त्रिताल, एकताल, झपताल एवं चौताल।
6. भजन, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, मध्यप्रदेश गीत का गायन।

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र सैध्दांतिक सत्र– 2018–19

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

इकाई–1

परिभाषाएँ :

अ. ग्रह, अंश, न्यास, अल्पत्त्व, बहुत्व, आलाप तथा बोल आलाप।

ब. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण– वृंदावनी सारंग, केदार, बिहाग।

ब. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का लेखन।

इकाई–3

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

ब. सामान्य ज्ञान : विलंबित ख्याल, ध्रुवपद, तराना।

इकाई–4

अ. तानपूरे का सचित्र विवरण।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. ध्रुवपद ।

इकाई–5

अ. स्वामी हरिदास का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
तिलवाड़ा एवं कहरवा।

S. Khanwalkar

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र सैध्दांतिक सत्र– 2018–19

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

इकाई–1

अ. ताल, लय, मात्रा, सम, ताली, खाली, आवर्तन।

ब. नाद की विशेषताएँ– सांगीतिक एवं असांगीतिक ध्वनि।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
पूरिया, मालकौंस, देस।

ब. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 40 सिद्धांत।

इकाई–3

अ. गायकों के गुण।

ब. गायकों के अवगुण।

इकाई–4

अ. तबले का सचित्र वर्णन।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. ध्रुवपद ।

इकाई–5

अ. तानसेन का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
धमार, दादरा।

Sahasrabudhe S. Khanwalkar

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष

सत्र– 2018–19

प्रायोगिक

पूर्णांक– 70

उत्तीर्णांक– 23

- गत वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र मे निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी।

(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

1. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का गायन।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में सरगम गीत का गायन।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में लक्षणगीत का गायन।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं एक राग में एक विलंबित ख्याल का गायन (केवल बंदिश)।
5. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में छोटा ख्याल का गायन (तानों सहित) एवं एक तराना गायन।
6. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों मे से किन्हीं एक राग में एक ध्रुवपद का गायन एवं दुगुन।
7. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली दे कर प्रस्तुति–
   तिलवाडा, कहरवा, दादरा, धमार।
8. लोकगीत का गायन।

S. Khanwalkar

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– तृतीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र सैध्दांतिक सत्र– 2019–20

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– बहार, मियां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली,, देशकार)

इकाई–1

अ. अंतराल, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, ऑक्टेव।

ब. वाग्गेयकार की परिभाषा– प्रकार एवं लक्षण।

इकाई–2

अ. प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक कालीन श्रुति–स्वर व्यवस्था।

ब. ग्राम– परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई–3

अ. मूर्च्छना–परिभाषा एवं प्रकार।

ब. तान–परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई–4

अ. कर्नाटक पद्धति के मुख्य सात ताल।

ब. कर्नाटक पद्धति के विभिन्न गीत प्रकार।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन–परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान–

1. पं. भीमसेन जोशी
2. पं. कुमार गंधर्व
3. विदुषी किशोरी अमोनकर
4. विदुषी प्रभा अत्रे

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– तृतीय वर्ष   द्वितीय प्रश्न पत्र सैध्दांतिक   सत्र– 2019–20

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैंध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– बहार, मियां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली,, देशकार)

इकाई–1

अ. रागों का समय चक्र।

ब. संधिप्रकाश राग एवं परमेल प्रवेशक राग।

इकाई–2

अ. पाठ्यक्रम के रागों का विवरण तथा तुलनात्मक अध्ययन–

1. भूपाली–देशकार
2. बहार–मियांमल्हार
3. अडाणा–दरबारी कान्हडा

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. धमार ।

इकाई–3

अ. पं. व्यंकटमखी के 72 मेलों की रचना का सिद्धांत।

ब. पं. भातखंडे के 32 थाटों की रचना का सिद्धांत।

इकाई–4

अ. एक सप्तक के आधार पर 484 रागों की रचना का सिद्धांत।

ब. थाट पूर्वी, मारवा, तोडी एवं भैरवी मे प्रारंभिक पांच अलंकारो का लेखन।

इकाई–5

अ. राग–रागिनी वर्गीकरण।

ब. ताल तीव्रा, रूपक, झूमरा, दीपचन्दी का ठाह, दुगुन एवं चौगुन सहित लेखन।

S. Khanwalkar.

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– तृतीय वर्ष | सत्र– 2019–20

प्रायोगिक | पूर्णांक– 70 | उत्तीर्णांक– 23

- गत वर्षों के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
- सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र मे निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी।

(रागों के नाम– बहार, मियां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली,, देशकार)

1. ठाठ मारवा, पूर्वी, तोड़ी और भैरवी मे पांच प्रारंभिक अलंकारों का गायन।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में सरगम गायन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में लक्षणगीत गायन।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में विलंबित ख्याल (गायकी सहित)।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में छोटा ख्याल का गायन (तानों सहित)।
6. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसीं एक राग में एक धमार का गायन (दुगुन, चौगुन सहित)।
7. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली दे कर प्रस्तुति–
   रूपक, तीव्रा, झूमरा, दीपचंदी।

S. Khanwalkar

एकीकृत स्नातक स्तरीय त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम हेतु सन्दर्भ ग्रंथ सूची

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
1.	गीत मंजरी	पं. विनयचन्द्र मौदगल्य
2.	स्वकीया	पं. गुणवंत व्यास
3.	संगीत प्रभाकर दर्शिका	पं. नारायण गुणे
4.	हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका भाग– 01 से 04	पं. विष्णु नारायण भातखंडे
5.	संगीतांजलि भाग– 01 से 03	पं. ओंकारनाथ ठाकुर
6.	अभिनव गीत मंजरी भाग– 01 से 03	पं. रातंजनकर
7.	अभिनव गीतांजलि भाग– 01 से 04	पं. रामाश्रय झा
8.	संगीत विशारद	वसंत, संपादक–लक्ष्मी नारायण गर्ग
9.	नाद निनाद	डॉ. वीणा सहस्त्रबुद्धे
10.	राग रचनांजलि	डॉ. अश्विनी भिड़े
11.	स्वरांगिनी	डॉ. प्रभा अत्रे
12.	स्वरंजनी	डॉ. प्रभा अत्रे
13.	रागरसमंजरी	डॉ. लक्ष्मण भट्ट तेलंग
14.	राग शास्त्र भाग– 01 एवं 02	डॉ. गीता बैनर्जी
15.	संगीतमणि	डॉ. महारानी शर्मा
16.	संगीत बोध	डॉ. शरद चन्द्र परांजपे
17.	हमारे संगीत रत्न	वसंत, संपादक–लक्ष्मी नारायण गर्ग
18.	म.प्र. के संगीतज्ञ	प्यारेलाल श्रीमाल
19.	संगीत शास्त्र दर्पण भाग– 01 से 03	शांति गोवर्धन
20.	दिनरंग	पं. दिनकर कायकिणी

Sahasrabudhe S. Khanwalkar

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र वाद्य एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक अध्ययनः
भूपाली, यमन, काफी, अल्हैया बिलावल।

2 वर्ण तथा उसके प्रकारों का वर्णन। वादी संवादी, अनुवादी, विवादी।

इकाई–2

1. पं. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का वर्णन।
2. पाठ्यक्रम के रागों की रज़ाखानी गत लिखना।
3. संगीत की उत्पत्ति एवं तंत् संबंधी अवधारणा।

इकाई–3

1. परिभाषाएंः– नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, तोड़ा, तान, घसीट, मींड, कृन्तन, ज़मज़मा, राग,श्रुति, गमक, थाट, कण, संगीत।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की ठाह तथा दुगुन लिखना, तीनताल, कहरवा, दादरा तथा रुपक।

इकाई–4

1. निम्नलिखित गीत शैलियों का वर्णनः– चतुरंग, सरगम, ख्याल, लक्षणगीत, ग़ज़ल, भजन।
2. मसीतखानीगत तथा रज़ाखानी गत की परिभाषा।
3. राग की जातियों का अध्ययन।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय लिखिएं

पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, इमदादखां, तानसेन, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

S. Khanwalkar. Sahasrabudhe

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र वाद्य एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचानात्मक अध्ययनः भैरव, दुर्गा, खमाज तथा मालकौंस।
2. अपने वाद्य का सचित्र वर्णन तथा उसको मिलाने की विधि।

इकाई–2

1. आवर्तन, ठेका, तिहाई, लय तथा उसके प्रकार (विलम्बित, मध्य तथा द्रुत लय)
2. पाठ्यक्रम के रागों की रज़ाखानी गत बोल, मात्रा सहित लिखना।
3. प्राचीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–3

1. दस थाटों की जानाकरी।
2. वादकों के गुण अथवा दोष।

इकाई–4

1. ध्वनि की परिभाषा (आन्दोलन, तरंग) नाद, सांगीतिक ध्वनि एवं शोर।
2. नाद के गुण, तारता, तीव्रता, (ऊंचा, नीचापन, छोटा बड़ापन)।

इकाई–5

संगीत विषयक निबंध।

S. Khanwale.

SSahasrabudhe

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 70

1. कल्याण, खमाज, काफी थाटो कें अलंकारों का अपने वाद्य पर वादन। मिज़राब के बोलों का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के रागों में से दो रज़ाखानीगत का वादन।
3. पाठ्यक्रम में से किसी एक राग में झाला वादन।
4. पाठ्यक्रम के तालों में से दादरा, रुपक, तीनताल की ठाह तथ दुगुन, हाथ पर ताली से प्रदर्शन।

S. Khanwalk

Sahasrabudhe

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययनः–
   देश, बागेश्री, बृन्दावनी सारंग, भीमपलासी।

2. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण रांग, ग्रह, अंश न्यास, अपन्यास, विन्यास का वर्णन।

इकाई–2

1. परिभाषाएंः– अल्पत्व, बहुत्व, स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग।
2. पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी एवं रजाखानी गत (बोल, मात्रा, तोड़ो सहित) स्वरलिपि लेखन।

इकाई–3

1. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन लयों में सवरलिपि लेखन :– एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल।
2. ग्राम, मूर्च्छना तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई–4

1. निम्नलिखित गीत प्रकारों का वर्णनः–
   लावनी, होरी, कजरी, चैती, मांड, गरवा, धुन, ध्रपद, धमार, तराना।

इकाई–5

जीवन परिचय एवं संगीतिक योगदान।

1. उ. अलाउद्दीन खॉं।
2. आचार्य भरत।
3. पं. रविशंकर।
4. पं. शारंगदेव।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययनः–
   भैरवी देशकार, ललित, पूरिया।
2. हार्मनी तथा मलॉड़ी की उदाहरण सहित व्याख्या।

इकाई–2

1. घराना व्याख्या एवं महत्व।
2. वाद्य संगीत के विभिन्न घराने(अपने वाद्य के संदर्भ में)

इकाई–3

1. रागों का समय चक्र– कोमल रे ध कोमल ग नी, परमेल प्रवेशक राग, अर्ध्वदर्शक स्वर, आश्रय राग संधि प्रकाश रागों के संदर्भ में।

इकाई–4

1. उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक संगीत की स्वर पद्धति का विवेचना।
2. मध्यकालीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–5

संगीत विषयक निबन्ध लेखन।

S.Khanwah.

Sbolassabudhe

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–70

1. भैरव, भैरवी, बिलावल थातों में अलंकारों का अपने वाद्य पर वादन तथा मिजराब के बोलो का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित किसी एक राग में मसीतखानी गत एवं सभी रागों में रज़ाखानी गत का वादन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को हाथ पर ठाह, दुगुन एवं चौगुन लयों में प्रदर्शनः– एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित किन्ही दो रागों में झाला वादन।

S. Khanwalk.
Sahasrabudhe

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचनात्मक तथा तुलनात्मक अध्ययन-- दरबारी कान्हड़ा, शुद्ध कल्याण पूरिया धनाश्री, बहार।
2. निबद्ध तथा अनिबद्ध गान। देशी तथा मार्गी संगीत, अविर्भाव तथा तिरोभाव।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के रागों में से मसीतखानी गत व रज़ाख़ानीगत बोल, मात्रा तथा तानों(तोड़ों) सहित।
2. तान तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई–3

1 व्यंकरमुखी के 72 मेल।
2. भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।
3. निम्नलिखित तालों की ठाह दुगुन तथा चौगुन– पंजाबी, धमार, झूमरा तथा आड़ा चौताल।

इकाई–4

1. स्वरों को श्रुतियों में बांटने का आधुनिक तथा प्राचीन ग्रन्थकरों के सिद्धान्त का वर्णन।
2. पं. अहोबल तथा पं. श्रीनिवास के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध एवं विकृत स्वरों की स्थापना।
3. स्वर संवाद– षड़ज मध्यम एवं षड़ज पंचम भाव।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय--

उस्ताद विलायत खॉ, पं. श्री निवास, निखिल बैनर्जी, अब्दुल हलीम ज़ाफ़र खॉ।

S. Khanwal.

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचनात्मक तथा तुलनात्मक अध्ययन– तोड़ी मियाँ मल्हार, जय–जयवन्ती तथा अड़ाना।
2. राग वर्गीकरण पद्धति का संक्षिप्त वर्णन।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के रागों में से मसीतखानों व रज़ाखनीगत बोल, मात्रा तथा तानों (तोड़ों) सहित।
2. वाग्गेयकार की परिभाषा एवं लक्षण।

इकाई–3

1. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन– पंजाबी, घमार, झुमरा तथा आड़ा चौताल।
2. आधुनिक काल के भरतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–4

1. निम्नलिखित वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारीः–
   मंत्तकोकिला, चित्रा, किन्नरी, विपंची, घोषा, पटह, मंदृग, हुडुक्का, वंशी तथा घंटा।
2. तन्त्रों वाद्यों का विकास।

इकाई–5

संगीत विषयक निबंध।

S. Khanwalkar

Sahasrabudhe

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–70

1. तोड़ी, असावरी, मारवा तथा पूर्वी थाटों के अंलकारों का अपने वाद्य पर वादन तथा मिज़राब के बोलों का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्ही तीन रागों में मसीतखनी तथा समस्त रागों में रज़ाखनी गत बोल, मात्रा तथा तानों (तोड़ो सहित)।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों का हाथ पर प्रदर्शन ठाह, दुगुन तथा चौगुन–पंजाबी, झुमरा, धमार तथा आड़ चौताल।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्ही चार रागों में झाला वादन।

S. Khanwalkar

Sahasrabudhe

बी0ए0 संगीत तंत्र वाद्य एवं सुषिर वाद्य
बी0ए0 प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017--18
ग्रंथ सूची

स.क्र	ग्रंथ का नाम	भाग	लेखक
1	राग परिचय	भाग–1, भाग–2	डॉ. हरिशचंद श्रीवास्तव
2	संगीतजलि	भाग–1	पं. ओंकरनाथ ठाकूर
3	संगीत विशरद		बसंत
4	संगीत शास्त्र विज्ञान		पन्नालाल "मदन"
5	राग रंजन		डॉ. सुधा दीक्षित
6	सितार शिक्षा	भाग–1, भाग–2, भाग–3	डॉ बलदाऊ, श्री श्रीवास्तव,
7	संगीत चिंतामणी		आचार्य ब्रहसपति
8	प्रणव भारती		डॉ सुभद्रा चौधरी
9	संगीत शास्त्र दर्पण		शाति गोवर्धन(भाग 01, 02)
10	भारतीय संगीत का इतिहास		भगवत शरण शर्मा
11	राग परिचय	भाग–1, भाग–2, भाग–3	डॉ. हरिश चंद्र श्रीवास्तव
12	भारतीय संगीत का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण		डॉ. स्वतंत्र शर्मा
13	उत्तर भारतीय संगीत का विश्लेषणात्मक अध्ययन		डॉ. स्वतंत्र शर्मा
14	संगीत सूचित सुमन		मुकेश
15	संगीत निबन्ध संग्रह	भाग–1	हरिशचन्द्र श्रीवास्तव
16	संगीत के जीवन पृष्ठ		विमलकांत राय चौधरी
17	भारतीय संगीत वाद्य		पं. लालमणि मिश्रा
18	तंत्रीवाद्य		पं. लालमणि मिश्रा
19	शास्त्रीय संगीत नवाचार		मधुकली
20	संगीत शास्त्र		डॉ. जगदीश सहाय कुलश्रेष्ठ
21	भारतीय इतिहास में संगीत		भगवत शरण शर्मा

S. Khanwalkar

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1. संगीत की परिभाषा एवं व्याख्या।
2. संगीत की उत्पत्ति के विषय में विद्वानों के मतों का अध्ययन।

इकाई –2

1. तबले की उत्पत्ति एवं इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन।
2. तबले के क्रमिक विकास का संक्षिप्त रुपरेखा का अध्ययन।

इकाई –3

1. तबला वाद्य का संक्षिप्त परिचय एवं अंगों का ज्ञान।
2. तबले की वादन विधि का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई –4

1. वैदिक कालीन संगीत का ऐतिहासिक अध्ययन।
2. रामायण, महाभारत काल में संगीत की स्थिति का वर्णन।

इकाई –5

संगीत के सम समायिक विषयों पर निबंध लेखन।

S. Khanwah.

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18

संगीत (तबला) एवं पखावज

द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

निम्नांकित शब्दों की परिभाषाऐं :–

लय, ताल, मात्रा, सम, ताली, खाली, आर्वतन, ठेका, ठाह, दुगुन, चौगुन

इकाई –2

1. तबला एवं मृदंग का संक्षिप्त परिचय एवं तुलनात्मक अध्ययन
2. तबले में एकल एवं मिश्रित वर्णों की विकास विधि का अध्ययन।

इकाई –3

1. निम्नांकित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं उनके सांगीतिक योगदान का अध्ययन :–

1 पं. रामसहाय 2) उ. हबीबुद्धीन खॉ 3) पं. कंठे महाराज 4) कुदऊ सिंह 5) उ. अहमद जान थिरकवा।

इकाई --4

1. निम्नांकित तालों के ठेकों का ज्ञान एवं उनका सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय

   1) तीनताल, 2) झपताल 3) कहरवा, 4) दादरा 5) एकताल 6) चारताल ।

2. पाठ्यक्रम के तालो को ठाह, दुगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।

इकाई –5

1. लय के मुख्य प्रकारों का अध्ययन।
2. तीनताल में दो कायदे, तीन पल्टों, तिहाई सहित लिखने का ज्ञान।

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रायोगिक (प्रश्न पत्र)

पूर्णांक :– 70

1 तबले के दायें एवं बायें से निकलने वाले स्वतंत्र एवं मिश्रित बोलों का अभ्यास एवं निकास विधि का अध्ययन।

2 पाठ्यक्रम के ठेकों का ज्ञान एवं हाथ की ताली से पठन्त करने का अभ्यास।
अ) तीनताल ब) झपताल स) एकताल द) ठहरवा इ) दादरा फ) चारताल

3 पाठ्यक्रम की तालो को ठाह, दुगुन लयकारी में बजानें का अभ्यास एवं पठन्त करने का ज्ञान।

4 कहरवा एवं दादरा तालों का विस्तृत अभ्यास एवं उनके दों–दो प्रकारों का बजाने का अभ्यास।

5 तीनताल में दो–दो कायदों को पतटे, तिहाई सहित स्वतंत्र वादन करने का ज्ञान।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
संगीत (तबला) एवं पखावज
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1. अवनद्ध वाइयों की उत्पत्ति, इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन।
2. तबले की उत्पत्ति के संबंध में विद्वानों के विचारों का अध्ययन।

इकाई –2

1. तबला मिलाने की विधि का ज्ञान।
2. तबले की बनावट एवं अंगों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई –3

1. घराना का आशय तबलें के घरानों का सामान्य अध्ययन।
2. तबले के दिल्ली एवं लखनऊ घरानें का विस्तृत अध्ययन एवं वादन शैली का ज्ञान।

इकाई –4

1. भारतीय संगीत के इतिहास में मध्यकालीन स्थिति का विस्तृत विश्लेषण।
2. दक्षिण भारतीय (कर्नाटक ताल पद्धति) का सामाय ज्ञान।

इकाई –5

संगीत के सम समायिक विषयों पर निबंध लेखन।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
संगीत (तबला) एवं पखावज
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1. निम्नांकित शब्दावालियों की व्याख्या :–

   1) ग्रह 2) कला 3) लय 4) अंग 5) यति 6) प्रस्तार 7) जाति

2. ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई –2

1. पं. भातखंडे एवं पं. पुलुस्कर ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन एवं तुलनात्मक विवेचन।
2. वादकों के गुण दोषों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई –3

1. तिहाई एवं उसके प्रकारों का विस्तृत अध्ययन (उदाहरण सहित)।
2. परन एवं उसके प्रकारों का अध्ययन।

इकाई –4

1. निम्नांकित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं उनके सांगीतिक योगदान का अध्ययन।

   1) पं. विष्णु नारायण मातखण्डे, 2) पं. सामता प्रसाद(गुदई महाराज) 3) उ. करामत उल्ला खॉ,

   4) उ. जाकिर हुसैन खॉ 5) पं. सखाराम पंत आंगले।

2. झपताल में दो कायदे, तीन पल्टों एवं तिहाई सहित लिपिबद्ध करनें का ज्ञान।

इकाई –5

1. पाठ्यक्रम के तालों के ठेको का ज्ञान एवं उनका सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय।

   1) तिलवाड़ा 2) दीपचंदी 3) सूल ताल 4) तीव्रा ताल 5) रुपक ताल 6) आड़ा चारताल

2. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन एवं चौगुन की लयकारियों में लिखने का ज्ञान।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रायोगिक (प्रश्न पत्र)

पूर्णांक :– 70

1 पाठ्यक्रम के निम्नांकित तालो का अध्ययन एवं उन्हे बजाने का अभ्यास।
1) तिलवाड़ा 2) दीपचंदी 3) सूलताल 4) तीव्रताल 5) रुपक ताल 6) आड़ाचारताल

2 पाठ्यक्रम की तालो को ठाह, दुगुन एवं चौगुन में बजाने का अभ्यास।

3 पाठ्यक्रम की तालो को ठाह, दुगुन एवं चौगुन की लयकारीयों में हाथ की ताली से पढ़ने का अभ्यास।

4 दादरा, कहरवा ताल मे दो–दो लग्गियों के बजाने का अभ्यास एवं संगत करने का ज्ञान।

5 तीनताल एवं झपताल में दो–दो कायदों को पल्टो, तिहाई सहित वादन करने का अभ्यास।

S. Khanwah

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
संगीत (वादन) तबला एवं पखावज
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1 पखावज (मृदंग) का संक्षिप्त इतिहास एवं पुष्कर, पणव एवं पटह वाद्यों के क्रामिक विकास का अध्ययन।

2 भारतीय संगीत के इतिहास के अर्न्तगत आधुनिक काल में संगीत की स्थिति का समीक्षात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1 संगीत के विकास में प्रचार प्रसार माध्यमों की भूमिका का विस्तृत अध्ययन।

2 तबले के विभिन्न घरानों (बनारस, अजराड़ा, पंजाब, फरुखाबाद) का अध्ययन एवं विभिन्न घरानों की वादन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

1 वाद्य वर्गीकरण के सिद्धान्त (प्राचीन काल से आधुनिक काल) तक के विभिन्न विचारकों के मतो का समीक्षात्मक अध्ययन।

2 पाश्चात्य संगीत के ताल वाद्यों का सामान्य परिचय।

इकाई–4

1 लोक संगीत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद वाद्यों का सामान्य परिचय, बनावट एवं वादन शैली का अध्ययन।

2 सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों की सामान्य जानकारी।

इकाई– 5

1 संगीत के समसामायिक विषयों पर निबंध लेखन।

S.Khanwalkar.

Sahasrabudhe

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
संगीत (वादन) तबला एवं पखावज
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1 निम्नांकित शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखने का ज्ञान:–
1) नौहक्का 2) गत–कायदा 3) रेला 4) उठान 5) वॉट(चलन) 6) पेशकार
7) मुखड़ा–मोहरा 8) त्रिपल्ली–चौपल्ली

इकाई –2

1 तबला वादन में हस्त साधना विधि का अध्ययन।
2 तबला वादन में साथ संगत के सिद्धान्त का विस्तृत अध्ययन(गायन, वादन एवं नृत्य की तबला संगति के संदर्भ में)

इकाई–3

1 निम्नांकित संगीतज्ञों का परिचय एवं सांगीतिक योगदान का अध्ययन।
1) भरत 2) शारंगदेव 3) पं. वाचा मिश्र 4) नाना पानसे 5) उ. काले खॉ
6) उ. अल्लारखा खॉ
2 समान मात्रा के तालों के औचित्य एवं महत्व का अध्ययन।

इकाई–4

1 पाठ्यक्रम की तालों का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय एवं ठेकों को लिपिबद्ध करने का ज्ञान।
1) रुद्र 2)झूमरा 3) घमार 4) गजझम्पा 5) पंचमसवारी 6) पश्तों
7)पंजाबी
2 पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन की लयकारियों में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।

इकाई–5

1 लयकारी के कठिन प्रकारों का सामान्य अध्ययन (आड़, विआड़ कुआड़)
2 तीनताल, झपताल, रुपक तालो में चक्करदार, टुकड़े, परन एवं तिहाइयों को लिपिबद्ध करने का ज्ञान।

S. Khanwalkar
Sahasrabudhe

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रायोगिक (प्रश्न पत्र)

पूर्णांक :– 70

1 पाठ्यक्रम के तालों के ठेको को बजानें का अभ्यास एवं दुगुन, चौगुन लय में बजाने का अभ्यास
1) रुद्रताल 2) झूमरा ताल 3) घमार 4) गजझम्पा 5) पंचम सवारी 6) पश्तो
7) पंजाबी

2 निम्नांकित तालों में सम्पूर्ण स्वतंत्र वादन(न्यूनतम 15 मिनिट) करने का ज्ञान। (कायदा, चमकदार, परन, टुकड़ो तिहाई सहित वादन)
1) तीनताल 2) झपताल 3) रुपक 4) आड़ाचारताल 5) एकताल

3 तालों के ठेको को हाथ की ताली से विभिन्न लयकारियों, दुगुन, तिगुन चौगुन लय में पठन्त करने का ज्ञान।

4 टुकडे, मुखड़े एवं तिहाई को बजाने की अभ्यास एवं हाथ की ताली से पढ़ने का ज्ञान।

5 गायन वादन एवं नृत्य के साथ संगति करने का सामान्य ज्ञान।

6 सुगम एवं लोक संगीत के साथ संगति करने का विस्तृत ज्ञान।

बी0ए0 प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
संगीत (तबला एवं पखावज)
संदर्भ ग्रंथ सूची

स.क्र	ग्रंथ का नाम	भाग	लेखक
1	संगीत विशारद		बसंत
2	ताल परिचय	भाग–1	डॉ. गिरीश चंद्र श्रीवास्तव
3	ताल परिचय	भाग–2	डॉ. गिरीश चंद्र श्रीवास्तव
4	ताल परिचय	भाग–3	डॉ. गिरीश चंद्र श्रीवास्तव
5	ताल प्रकाश		डॉ. भगवत शरण शर्मा
6	ताल मार्तण्ड		सत्य नारायण वशिष्ठ
7	संगीत निबंधावली		लक्ष्मी नारायण गर्ग
8	भारतीय संगीत के वाद्य		डॉ. लालमणि मिश्र
9	भारतीय संगीत के ताल वाद्यों की उपयोगिता		डॉ. चित्रा गुप्ता
10	तबला कौमुदी	भाग–1	पं. रामशंकर पागलदास
11	तबला कौमुदी	भाग–2	पं. रामशंकर पागलदास
12	तबला कौमुदी	भाग–3	पं. रामशंकर पागलदास
13	भारतीय तालो का शास्त्रीय विवेचन		डॉ. अरुण कुमार सेन
14	भारतीय संगीत का इतिहास		ठाकुर जयदेव सिंह
15	संगीत निबंध संग्रह		डॉ. हरिशचंद श्रीवास्तव
16	भरतीय संगीत का इतिहास		डॉ. भगवत शरण शर्मा
17	भारतीय इतिहास में संगीत		डॉ. भगवत शरण शर्मा

2017-18

बी.ए. आनर्स प्रथम वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक – प्रथम प्रश्न–पत्र
भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक 150

इकाई–1

1. संगीत की उत्पत्ति एवं विकास
2. प्राचीन कालीन भारतीय संगीत का इतिहास

इकाई–2

1. रामायण, महाभारत काल तथा गुप्तकाल में संगीत का विकास एवं स्थिति का विस्तृत विश्लेषण।
2. निम्नलिखित संगीतज्ञों का सामान्य परिचय एवं सांगीतिक योगदानः– स्वामी हरिदास, तानसेन, बैजूबावरा, भरत, शारंगदेव, अमीर खुसरों, उस्ताद अलाउद्दीन खां, उस्ताद अल्लारखा खां

इकाई–3

1. दक्षिणी संगीत पद्धति स्वर एवं ताल पद्धति का अध्ययन।
2. प्रबंध, वस्तु, रूपक का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

1. गायकों एवं वादकों के गुण–दोष।
2. गायन एवं वादन के घरानों का अध्ययन

इकाई–5

1. संगीत के समसामयिक विषयों पर निबंध लेखन लगभग 500 शब्दों में।

S. Khannah.

2017-18

बी.ए. आनर्स प्रथम वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक – द्वितीय प्रश्न–पत्र
भारतीय संगीत के सिद्धांत

प्रांक 150

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय अध्ययनः– यमन, खमाज, काफी, भूपाली, देस, वृन्दावनी सारंग, भैरव, अल्हैया बिलावल।
2. परिभाषायें:– नाद, स्वर, आरोह, अवरोह, पकड़, आलाप, मींड, घसीट, कृन्तन, जमजमा, तोड़ा।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रमों के तालों को ठाह एवं दुगुन में लिखनाः– तीनताल, एकताल, झपताल, दादरा, कहरवा, रूपक।
2. निम्नलिखित गीत प्रकारों का अध्ययनः– सरगम, लक्षणगीत, मसीतखानीगत, रजाखानीगत, ख्याल, तराना।

इकाई–3

1. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का ज्ञान।
2. पाठ्यक्रम के रागों की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन।

इकाई–4

1. थाट एवं उनके प्रकारों का वर्णन (स्वर चिन्हों सहित)।
2. वाग्गेयकार की परिभाषा तथा उसके लक्षण।

इकाई–5

1. सप्तक तथा उसके प्रकारों का वर्णन।
2. तान तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

S. Khanwalkar

SSahasrabudhe

2017-18

बी.ए. आनर्स प्रथम वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक – प्रथम प्रश्न–पत्र

पूर्णांक 60

1. निम्नलिखित रागों में से चार रागों में छोटा ख्याल या रजखानीगत, तान तोड़ों सहितः– चमन, खमाज, काफी, भूपाली, देस, वृन्दावन सारंग, भैरव, अल्हैया बिलावल।
2. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में तराना/वादन के विद्यार्थियों हेतु किसी एक राग में झाला वादन।
3. भजन, गजल एवं वादन के विद्यार्थियों हेतु किसी एक राग में धुन।
4. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ पर ताली देकर ठाह तथा दुगुन प्रदर्शनः– तीन ताल, एकताल, झपताल, दादरा, कहरवा तथा रूपक।

बी.ए. आनर्स प्रथम वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक – द्वितीय प्रश्न–पत्र

पूर्णांक 60

1. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में छोटा ख्याल तथा तराना/रजाखानी गत तान तोड़ों सहित। (मंच प्रदर्शन)

S. Khanwal

2018-19

बी.ए. आनर्स द्वितीय वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक – प्रथम प्रश्न–पत्र
भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक 150

इकाई–1

1. भारतीय संगीत के मध्यकालीन काल के संगीत की स्थिति का समीक्षात्मक अध्ययन।
2. भारतीय संगीत के आधुनिक काल के संगीत की स्थिति का समीक्षात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचयः– पंडित व्यंकटमखी, पंडित अहोबल, आचार्य बृहस्पति, पंडित वि.ना. भातखण्डे, पंडित डी.वी. पलुस्कर, पंडित रविशंकर, उस्ताद अलीअकबर खां, उस्ताद विलायत खां।
2. वर्तमान शिक्षण पद्धति के गुण दोष।

इकाई–3

1. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।
2. राग के दस लक्षणों का वर्णन।

इकाई–4

1. लोक संगीत की प्रचलित गायन शैलियों का अध्ययन(मध्यप्रदेश के संदर्भ में)
2. सेनिया एवं ग्वालियर घराने की विशेषताओं का अध्ययन।
3. गायन एवं वादन के घरानों का अध्ययन

इकाई–5

1. संगीत के समसामयिक विषयों पर निबंध।

S. Khanwalk.

2018-19

बी.ए. आनर्स द्वितीय वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक – द्वितीय प्रश्न–पत्र
भारतीय संगीत का सिद्धांत

प्रोफि 150

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय परिचयः– शुद्ध कल्याण, छायानट, कामोद, बहार, दरबारी कान्हड़ा, जौनपुरी, जयजयवंती, अड़ानां।
2. परिभाषाऐंः– पूर्वराग, उत्तरराग, शुद्ध, छायालग, संकीर्ण राग, राग जाति, अल्पत्व, बहुत्व।

इकाई–2

1. गीत, गान्धर्व तथा गान का अध्ययन।
2. मार्गी एवं देशी संगीत का अध्ययन।

इकाई–3

1. संगीतोपयोगी ध्वनि का सामान्य अध्ययन।
2. वाद्यय वर्गीकरण का सिद्धांत।

इकाई–4

1. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन का ज्ञानः– झूमरा, चौताल, सूलताल, आड़ा, चौताल, धमार, तिलवाड़ा।
2. लय एवं लयकारियों के प्रकारों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–5

1. संगीत के समसामयिक विषयों पर निबंध।

S. Khanwalkar

Sahasrabudhe

2018-19

बी.ए. आनर्स द्वितीय वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक – प्रथम प्रश्न–पत्र

पूर्णांक 60

1. निम्नलिखित रागों में से किन्ही दो रागों में विलंबित ख्याल/मसीतखानी गत एवं समस्त रागों में छोटा ख्याल/रजाखानी गत तान तोड़ों सहितः– शुद्ध कल्याण, छायानट, कामोद, बहार, दरबारी कान्हड़ा, जौनपुरी जायजयवंती, अड़ाना।
2. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में ध्रुपद, ठाह एवं दुगुन सहित एवं वादन के विद्यार्थियों हेतु तीन ताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में रजाखानी गत तोड़ों सहित।
3. भजन, गजल, गायन के विद्यार्थियों हेतु तथा वादन के विद्यार्थियों हेतु एक धुन।
4. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ पर ताली देकर ठाह तथा दुगुन लय प्रदर्शित करनाः– झूमरा, चौताल, सूलताल, आड़ा चौताल, धमार, तिलवाड़ा।

बी.ए. आनर्स प्रथम वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक – द्वितीय प्रश्न–पत्र

पूर्णांक 60

1. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में छोटा ख्याल तथा तराना/रजाखानी गत तान तोड़ों सहित। (मंच प्रदर्शन)

S.Khanwalkar

SSahasrabudhe

2019-20

बी.ए. आनर्स तृतीय वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक – प्रथम प्रश्न–पत्र
भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक 150

इकाई–1

1. वैदिक कालीन भारतीय संगीत के इतिहास का विस्तृत अध्ययन।
2. जैन तथा बौद्धकालीन संगीत का अध्ययन।

इकाई–2

राज समय सिद्धान्त का विस्तृत वर्णनः– कोमल रे धा, शुद्ध रे धा, कोमल ग नि, परमेल प्रवेशक राग, आश्रय राग, अर्ध्वदर्शक स्वर, सन्धि प्रकाश रागों की संदर्भ में।

इकाई–3

1. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचयः– हीराबाई बड़ोदेकर, पं. भीमसेन जोशी, कुमार गान्धर्व, वी.जी. जोग, डॉ. लालमणि मिश्र, निखिल बैनर्जी।
2. संगीत में यांत्रिक उपकरणों का उपयोग।

इकाई–4

निम्नलिखित उपशास्त्रीय शैलियों का परिचयः– टप्पा, ठुमरी, दादरा, कजरी, चैती, मांड, महाराष्ट्र का नाट्य संगीत तथा बंगाल का कीर्तन।

इकाई–5

1. तन्त्री वाद्ययों के विकास का विस्तृत अध्ययन।
2. मत्तकोकिला, चित्रा, विपंची, घोषा, किन्नरी, मृदंग, पटह, हुड़ुक्का, वंशी, घण्टा का वर्णन।

S. Khanwale

Sahasrabudhe

2019-20

बी.ए. आनर्स तृतीय वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक – द्वितीय प्रश्न–पत्र
भारतीय संगीत के सिद्धांत

पूर्णांक 150

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के रागों का संपर्ण विवरणः– दुर्गा, कलावती, तोड़ी, देशकार, हमीर, रामकली, मुलतानी, पूरियाधनाश्री।
2. परिभाषायें:– अविर्भाव, तिरोभाव, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, निबद्ध, अनिबद्ध गान।

इकाई–2

1. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, तथा चौगुन के लिखने का ज्ञानः– तीव्रा, दीपचन्दी, पंचम सवारी, जत, रूद्र, धमार।
2. रस की परिभाषा, प्रकार तथा संगीत में उसकी उपयोगिता।

इकाई–3

1. पाठ्यक्रम के रागों बंदिशों का स्वरलिपि लेखन।
2. व्यंकटमखी के 72 मेलों या थाटों की उत्पति का सिद्धांत।

इकाई–4

1. राग जाति के आधार पर एक सप्तक से 484 रागों की उत्पति का सिद्धांत।
2. अपने वाद्य का सचित्र वर्णन।

इकाई–5

संगीत के समसामयिक विषयों पर निबंध लेखन।

S.Sahasrabudhe

S. Khanwale

2019-20

बी.ए. आनर्स तृतीय वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक – प्रथम प्रश्न–पत्र

पूर्णांक 60

1. निम्नलिखित रागों में से किन्ही चार रागों में बड़ा ख्याल या मसीतखानीगत एवं समस्त रागों में छोटा ख्याल/रजाखानीगत आलाप तान तोड़ों सहितः– दुर्गा, कलावती, तोड़ी, देशकार, हमीर, रामकली, मुलतानी, पूरिया धनाश्री।
2. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में धमान एवं तराना लयकारियों सहित तथा वादन के विद्यार्थियों हेतु तीन ताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में मध्यलय की गत तोड़ों सहित।
3. भजन, गजल ठुमरी गीतों का गायन/ वादन के विद्यार्थियों हेतु किसी एक राग में धुन।
4. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ पर ताली देकर ठाह, दुगुन तथा चौगुन प्रदर्शनः– तीव्रा, दीपचन्दी, पंचम सवारी, जत, रूद्र, धमार।

बी.ए. आनर्स तृतीय वर्ष
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक – द्वितीय प्रश्न–पत्र

पूर्णांक 60

1. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में छोटा ख्याल तथा तराना/रजाखानी गत तान तोड़ों सहित। (मंच प्रदर्शन)

S.Sahasrabudhe

बी0ए0 (आनर्स)प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017-18

संगीत (तबला एवं पखावज)

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

H-1

भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक :- 150

इकाई -1

1- संगीत की उत्पत्ति एवं विद्वानों के मतों का अध्ययन।
2- तबले की उत्पत्ति एवं उसके इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई -2

1- तबलावाद्य का परिचय एवं अंगों का ज्ञान।
2- तबले की निकास विधि(स्वतंत्र एव संयुक्त) वर्णो का अध्ययन।

इकाई -3

1- भारतीय संगीत के इतिहास (प्राचीन एवं वैदिक काल) का संक्षिप्त अध्ययन।
2- घराना का आशय एवं तबले के प्रमुख घरानों का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई -4

निम्नांकित तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदानः-
पं. राम सहाय, पं. अनोखे लाल, पं. कंठे महाराज, कुदऊ सिंह

इकाई -5

1. संगीत के समसामायिक विषयों में निबन्ध लेखन।

बी0ए0 (आनर्स)प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
संगीत (तबला एवं पखावज)
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)
H-2
भारतीय संगीत का सिद्धांत

पूर्णांक :– 150

इकाई –1

निम्नलिखित की परिभाषाए

लय, ताल, मात्रा, खाली, ताली, सम, आवर्तन, ठेका, विभाग, ठाह, दुगुन, चौगुन।

इकाई –2

पाठ्यक्रम के तालो का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय एवं ठेको को लिपिबद्ध करने का ज्ञान।

तीन ताल, झपताल, कहरवा, दादरा, चारताल, एकताल।

इकाई –3

1- तबला अथवा पखावज के वर्णो का ज्ञान।
2- लय तथा लय के मुख्य प्रकारो का अध्ययन।

इकाई –4

1- पं. विष्णु नारायण भातखण्डे ताल लिपि पद्धति का अध्ययन।
2- निम्नांकित शब्दवलियों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखने का ज्ञानः–
कायदा, पल्टा, मुखड़ा, मोहरा, टुकड़ा।

इकाई –5

पाठ्यक्रम के तालो को ठाह, दुगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।

SSahasrabudhe S.Khanwalkar

बी0ए0 (आनर्स)प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017--18

संगीत (तबला एवं पखावज)

प्रथम प्रायोगिक

मौखिक

पूर्णांक :– 60

1- तबले में दाये एवं बायें से निकलने वाले स्वतंत्र एवं मिश्रित बोलों का विस्तृत अभ्यास।

2- विभिन्न प्रकार के बोलों से बनें संयुक्त बोलों की निकास विधि का ज्ञान।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास

तीन ताल, झपताल, कहरवा, दादरा, चारताल, एकताल।

4- उपरोक्त तालों को ठाह एवं दुगुन लयकारी में बजाने का अभ्यास एवं हाथ से ताली द्वारा पढ़ंत करने का ज्ञान।

5. कहरवा एवं दादरा ताल को बजाने का विस्तृत अभ्यास।

SSahasrabudhe

S. Khanwalk.

बी0ए0 (आनर्स)प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
संगीत (तबला एवं पखावज)
द्वितीय प्रायोगिक
मंच प्रदर्शन

पूर्णांक :– 60

1- निम्नांकित तालों मे न्यूनतम 10 मिनट स्वतंत्र वादन की क्षमता।

2- तीनताल में 1 कायदा, 3 पल्टें, तिहाई एवं 1 टुकड़ा, 1 मोहरा या मुखड़ा सहित वादन।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास
तीन ताल, झपताल, कहरवा, दादरा, चारताल, एकताल।

4- झपताल में 1 कायदा, तीन पल्टे, तिहाई सहित वादन।

5- कहरवा एवं दादरा तालों के दो–दो प्रकार बजाने का अभ्यास।

बी0ए0 (आनर्स)द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
संगीत (तबला एवं पखावज)
तृतीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)
H-3
भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक :– 150

इकाई –1

1- भारतीय संगीत का इतिहास (वैदिक एवं मध्यकाल में विकास की स्थिति का विस्तृत विशलेषण)।
2- भारतीय अवनद्ध वाद्यों का परिचय एवं इतिहास का सामान्य ज्ञान।

इकाई –2

1- मृदंग का सामान्य परिचय एवं तबले एवं मृदंग का सामान्य परिचय।
2- अपने वाद्य का सचित्र वर्णन।

इकाई –3

1- भारतीय वाद्यों के वर्गीकरण के सिद्धान्त(सामान्य अध्ययन)।
2- तबले के दिल्ली एवं लखनऊ घरानों का सामान्य परिचय एवं वादन शैली का अध्ययन।

इकाई –4

1. निम्नाकिंत तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदानः–
   पं. सामता प्रसाद(गुदई महाराज), उ. अल्लारक्खा खॉ, पं. किशन महाराज, उ. हबीबुद्दीन खॉ, नाना पानसे।
2. तबला /पखावज वादको के गुण दोषों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई –5

संगीत के समसामायिक विषयों में निबन्ध लेखन।

बी0ए0 (आनर्स)द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
संगीत (तबला एवं पखावज)
चतुर्थ प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)
H-4
भारतीय संगीत का सिद्धांत

पूर्णांक :– 150

इकाई –1

निम्नलिखित शब्दावली की व्याख्या:–

ग्रह, कला, लय, अंग, यति, प्रस्तार, जाति।

इकाई –2

पाठ्यक्रम के तालो का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय एवं ठेको को लिपिबद्ध करने का ज्ञान।

तिलवाड़ा, दीपचंदी, सूलताल, झूमरा, रुपक, तीव्रा ताल।

इकाई –3

1- पं. भातखण्डे एवं पुलुस्कर ताल पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।
2- दक्षिण भारतीय (कर्नाटक ताल पद्धति) का सामान्य ज्ञान।

इकाई –4

1- तिहाई एवं तिहाई के प्रकारों का उदाहरण सहित अध्ययन।
2- निम्नांकित शब्दवलियों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखने का ज्ञान:–
पेशकार, परन, गत, द्विपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली।

इकाई –5

1. पाठ्यक्रम के तालो को ठाह, दुगुन एवं चौगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।
2. तीन ताल में दो कायदें, तीन पल्टों एवं तिहाई सहित लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

SSahasrabudhe S. Khanwalkar

बी0ए0 (आनर्स)द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रथम प्रायोगिक
मौखिक

पूर्णांक :– 60

1- तबले में दाये एवं बायें से निकलने वाले कठिन बोलों का विस्तृत अभ्यास।

2- तबला मिलाने की विधि का ज्ञान।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास
तिलवाड़ा, दीपचंदी, सूलताल, झूमरा, रुपक, तीव्रा ताल।

4- उपरोक्त तालों को ठाह एवं दुगुन लयकारी में बजाने का अभ्यास एवं हाथ से ताली द्वारा पढ़ंत करने का ज्ञान।

5. कहरवा एवं दादरा तालों में दो–दो लग्गियाँ बजाने का विस्तृत अभ्यास।

बी0ए0 (आनर्स)द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
संगीत (तबला एवं पखावज)
द्वितीय प्रायोगिक
मंच प्रदर्शन

पूर्णांक :– 60

1- निम्नांकित तालों मे न्यूनतम 15 मिनट स्वतंत्र वादन की क्षमता।
तीनताल, झपताल, रुपक, एकताल।

2- तीनताल में पेशकार, 2 कायदा, 3 पल्टें, तिहाई एवं 2 टुकड़ा, 2 मोहरा या मुखड़ा, चक्कर दार सहित वादन।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास
तिलवाड़ा, दीपचंदी, सूलताल, झूमरा, रुपक, तीव्रा ताल।

4- रुपक में 1 कायदा, तीन पल्टे, तिहाई सहित वादन।

5- कहरवा एवं दादरा तालों को बजाने का विस्तृत अभ्यास।

बी0ए0 (आनर्स)तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019--20
संगीत (तबला एवं पखावज)
पंचम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)
H-5
भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक :– 150

इकाई –1

1- भारतीय संगीत के इतिहास आधुनिक काल में संगीत की स्थिति का समीक्षात्मक अध्ययन।
2- अवनद्ध वाद्यों का इतिहास, पुष्कर, पणव, पटह, वाद्यों के क्रमिक विकास का अध्ययन।

इकाई –2

1- संगीत के विकास में प्रचार प्रसार माध्यमों की भूमिका का विश्लेषात्मक अध्ययन।
2- भारतीय अवनद्ध वाद्यों का सचित्र परिचय एवं बनावट का सामान्य ज्ञान।

इकाई –3

1- तबले के घरानों का विस्तृत अध्ययन एवं वादन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2- पाश्चात्य संगीत के ताल वाद्यों का सामान्य परिचय।

इकाई –4

1. निम्नाकिंत संगीतज्ञों/तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदान:–
   भरत, शारंगदेव, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, उं. अहमद जान थिरकवा, पं. बाचा मिश्र, उ. काले खॉं, उ. जाकिर हुसैन।
2. लोक संगीत में प्रयुक्त अवनद्ध वाद्यों का सामान्य परिचय एवं बनावट का अध्ययन।

इकाई –5

संगीत के समसामायिक विषयों में निबन्ध लेखन।

S.Sahasrabudhe

J. Khanwalk

बी0ए0 (आनर्स)तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20

संगीत (तबला एवं पखावज)

षष्टम् प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)

H-6

भारतीय संगीत का सिद्धांत

पूर्णांक :– 150

इकाई –1

1- निम्नाकिंत में संक्षिप्त टिप्पणी लिखने का ज्ञान।

1. नौहक्का, 2. बॉट(चलन), 3. उठान, 4. गतपरन, 5. आमद, 6. तोड़ा, 7. रेला–रौ

इकाई –2

1. जाति तथा जाति के प्रकारों का विस्तृत अध्ययन।
2. उत्तर भारतीय संगीत में प्रचलित ताल पद्धतियों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई –3

पाठ्यक्रम के तालो का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय एवं ठेको को लिपिबद्ध करने का ज्ञान।

आड़ाचारताल, धमार, पंचम सवारी, गजझम्पा, रुद्र, जतताल, पश्तों।

इकाई –4

1- तबला वादन में साथ–संगत की सैद्धान्तिग जानकारी मुख्यतः गायन/वादन/नृत्य की संगत करने का विस्तृत अध्ययन।

2- लोक एवं सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों का शास्त्रीय अध्ययन।

इकाई –5

1. पाठ्यक्रम के तालो को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन तथा आड़ की लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।
2. समान मात्राओं के तालों का औचित्य एवं महत्व की विस्तृत जानकारी।

S. Khanwalk

SSahasrabudhe

बी0ए0 (आनर्स)द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रथम प्रायोगिक
मौखिक

पूर्णांक :– 60

1- निम्नांकित तालों मे न्यूनतम 20 मिनट स्वतंत्र वादन की क्षमता।
तीनताल, झपताल/सूल, रुपक, एकताल/चारताल, आड़ाचारताल/धमार।

2- तबला मिलाने की विधि का विस्तृत ज्ञान।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास
आड़ाचारताल, धमार, पंचम सवारी, गजझम्पा, रुद्र, जतताल, पश्तों।

4. उपरोक्त तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी में बजाने का अभ्यास एवं हाथ से ताली द्वारा पढ़ंत करने का ज्ञान।

5. समान मात्रा की तालों की रचना औचित्य एवं उनकी विशेषताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

6. तबला संगति के सिद्धांत की विस्तृत जानकारी (गायन/वादन के संदर्भ में)

SSahasrabudhe

S. Khanwah.

बी0ए0 (आनर्स)द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
संगीत (तबला एवं पखावज)
द्वितीय प्रायोगिक
मंच प्रदर्शन

पूर्णांक :– 60

1- निम्नांकित तालों मे से किन्ही दो तालो में न्यूनतम 20 मिनट स्वतंत्र वादन की क्षमता।
तीनताल, झपताल / सूल, रुपक, एकताल / चारताल, आड़ाचारताल / धमार।

2- तीनताल में पेशकार, 4 कायदा, 4 पल्टें, तिहाई एवं 2 टुकड़ा, 2 मोहरा या मुखड़ा, चक्कर दार एवं परन रेला सहित वादन।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास
आड़ाचारताल, धमार, पंचम सवारी, गजझम्पा, रुद्र, जतताल, पश्तों।

4- कहरवा एवं दादरा, रुपक तालों को बजाने का विस्तृत अभ्यास एवं संगत करने की क्षमता।

Sahasrabudhe

S. Khanwalk

बी.ए. प्रथम वर्ष (सब्सीडियरी)

गायन/वादन (स्वर वाद्य)

2017-18

पूर्णांक–150

प्रथम प्रश्नपत्र –सैद्धांतिक

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के रागो का संपूर्ण शास्त्रीय विवरण–
   यमन, बिलावल, खमाज, भैरव, भूपाली, काफी।
2. नाद तथा उसके प्रकारो का वर्णन ।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन में लिखना–
   तीन ताल, दादरा, रूपक, तिलवाडा, झपताल।
2. सप्तक तथा उसके प्रकारो का वर्णन।

इकाई–3

1. संगीत की उत्पत्ति के विषय में विभिन्न विद्वानों के मत।
2. वैदिक कालीन संगीत का अध्ययन।

इकाई–4

1. अलंकार, स्वर, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी की जानकारी।
2. पाठ्यक्रम के रागों की स्वरलिपि लेखन तानों सहित

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय–

अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, तानसेन, पं. भातखंडे

बी.ए. प्रथम वर्ष (सब्सीडियरी)

गायन/वादन (स्वर वाद्य)

2017-18

पूर्णांक–60

प्रायोगिक

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से चार रागों में छोटा ख्याल। रज़ाखानी गत आलाप तान, जोड़ो सहित– यमन, बिलावल, खमाज, भैरव, भूपाली, काफी।
2. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुवपद /तराना तथा वादन के विद्यार्थियों हेतु तीनताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में एक धुन।
3. भजन, गज़ल देशभक्ति गीतों का गायन/वादन हेतु किसी भी एक राग में धुन।
4. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ पर ताली देकर ठाह, दुगुन देना– तीन ताल, दादरा, रूपक, तिलवाडा, झपताल।

S. Khanwal

बी.ए. द्वितीय वर्ष (सब्सीडियरी)

गायन/वादन (स्वर वाद्य)

2018-19

पूर्णांक–150

प्रथम प्रश्नपत्र –सैद्धांतिक

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के रागो का संपूर्ण शास्त्रीय विवरण–
   कामोद, छायानट, बिहाग, दरबारी कानडा, जयजयवन्ती, तिलक कामोद।
2. परिभाषा–गान्धर्व, गान, मार्गी, देशी, गायक, नायक।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन तथा चौगुन में लिखना–
   दीपचन्दी, सूलताल, एकताल, झूमरा, आड़ा चौताल, दादरा
2. ग्राम तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई–3

1. पाठ्यक्रम के रागों की बंदिशो का स्वरलिपि लेखन।
2. मूर्च्छना तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई–4

1. संगीतोपयोगी ध्वनि– नाद, आहत, अनाहत।
2. शुद्ध, छायालग तथा संकीर्ण राग?

इकाई–5

1. घराना– अर्थ एवं गायन, वादन के प्रमुख घरानों का सामान्य परिचय
2. संगीत के समसामयिक विषयों पर निबन्ध लेखन।

S. Khanwalk

बी.ए. द्वितीय वर्ष (सब्सीडियरी)

गायन/वादन (स्वर वाद्य)

2018-19

पूर्णांक–60

प्रायोगिक

1. पाठ्यक्रम के किन्ही दो रागों में विलम्बित रचनायें एवं समस्त रागों में द्रुत रचनायें आलाप, तान, तोड़ो सहित–
   कामोद, छायानट, बिहाग, दरबारी कानडा, जयजयवन्ती, तिलक कामोद।
2. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में धमार तथा वाद्य के विद्यार्थियों हेतु तीनताल के अतिरिक्त किसी भी ताल में मध्य लय की गत तानों सहित।
3. भजन, ग़ज़ल, देशभक्ति गीतों का गायन/वाद्य के विद्यार्थियों हेतु किसी एक राग में धुन।
4. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ पर ठाह, दुगुन तथा चौगुन के साथ दर्शाना–
   दीपचन्दी, सूलताल, एकताल, झूमरा, आड़ा चौताल, दादरा।

बी.ए. तृतीय वर्ष(सब्सिडरी)
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक – प्रश्न–पत्र (पूर्णांक – 150)

2019-20

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के रागों का संपूर्ण शास्त्रीय परिचयः– बहार, मियां मल्हार, अड़ाना, बसंत, बागेश्री, पूरिया।
2. कर्नाटक ताल पद्धति का वर्णन।

इकाई–2

1. पं. व्यंकटमुखी के 72 थाटों की रचना का सिद्धांत।
3. हारमनी तथा मेलाड़ी का वर्णन।

इकाई–3

1. पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर की स्वरलिपि पद्धति का वर्णन।
2. पाठ्यक्रम के रागों बंदिशों का स्वरलिपि लेखन।

इकाई–4

1. निम्निलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचयः– भरत, पं. शारंगदेव, रामामात्य, पं. व्यंकटमखी, डॉ. लालमणि मिश्र।
2. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन, तथा चौगुन में लिखना, दीपचंदी, झूमरा, रूद्र, मत्त, शिखर, कहरवा।

इकाई–5

1. भारतीय वादयो का वर्गीकरण
2. संगीत के समसामयिक विषयों पर निबंध लेखन।

बी.ए. तृतीय वर्ष(सब्सिडरी)
विषय – संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक – प्रश्न–पत्र (पूर्णांक – 60)

2019-20

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों में से किन्ही चार रागों में विलंबित रचना तथा समस्त रागों में द्रुत रचना, आलाप, तान, तोड़ों सहितः– बहार, मियां मल्हार, अड़ाना, बसंत, बागेश्री, पूरिया।
2. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन, तथा चौगुन में लिखना, दीपचंदी, झूमरा, रूद्र, मत्त, शिखर, कहरवा।
3. ध्रुपद, धमार, तराना तथा उसकी विभिन्न लयकारियां/वादन के विद्यार्थियों हेतु तीनताल के अतिरिक्त किसी भी ताल में मध्यलय की गत तोड़ों सहित।
4. भजन, गजल, देशभक्ति गीत तथा वादन हेतु किसी भी राग में एक धुन।

S. Khanwal

बी0ए0 प्रथम वर्ष (सब्सीडियरी)वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)
S-1

पूर्णांक :– 150

इकाई –1

1- संगीत की उत्पत्ति एवं विद्वानों के मतों का अध्ययन।
2- तबले की उत्पत्ति एवं उसके इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई –2

1- तबलावाद्य का परिचय एवं अंगों का ज्ञान।
2- तबले की निकास विधि(स्वतंत्र एव संयुक्त) वर्णो का अध्ययन।

इकाई –3

1. निम्नलिखित की परिभाषाए
   लय, ताल, मात्रा, खाली, ताली, सम, आवर्तन, ठेका, विभाग, ठाह, दुगुन, चौगुन।
2. पाठ्यक्रम के तालो का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय एवं ठेको को लिपिबद्ध करने का ज्ञान।
   तीन ताल, झपताल, कहरवा, दादरा, चारताल।

इकाई –4

1. निम्नांकिंत तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदानः–
   पं. राम सहाय, पं. अनोखे लाल, पं. कंठे महाराज, कुदऊ सिंह, उ. हबीबउद्दीन खॉ
2. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन की लयकारियों में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।

इकाई –5

संगीत के समसामायिक विषयों में निबन्ध लेखन।

बी0ए0 प्रथम वर्ष (सब्सीडियरी)वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रायोगिक

पूर्णांक :– 60

1- तबले में दाये एवं बायें से निकलने वाले स्वतंत्र एवं मिश्रित बोलों का विस्तृत अभ्यास।

2- विभिन्न प्रकार के बोलों से बनें संयुक्त बोलों की निकास विधि का ज्ञान।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास

तीन ताल, झपताल, कहरवा, दादरा, चारताल।

4- उपरोक्त तालों के ठेकों कों बजाने का अभ्यास एवं हाथ से ताली द्वारा पढ़ंत करने का ज्ञान।

5. कहरवा एवं दादरा ताल को बजाने का विस्तृत अभ्यास।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष (सब्सीडियरी)वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)
S-2

पूर्णांक :– 60

इकाई –1

1- भारतीय संगीत का इतिहास (वैदिक एवं मध्यकाल में विकास की स्थिति का विस्तृत विशलेषण)।
2- भारतीय अवनद्ध वाद्यों का परिचय एवं इतिहास का सामान्य ज्ञान।

इकाई –2

1- मृदंग का सामान्य परिचय एवं तबले एवं मृदंग का सामान्य परिचय।
2- अपने वाद्य का सचित्र वर्णन।

इकाई –3

1- निम्नलिखित सांगीतिक शब्दावालियों की परिभाषा उदाहरण सहितः–
भरी, जरब, तिहाई, कला, क्रिया, अंग, लग्गी, लड़ी, उठान पेशकार
2- तबले के बनारस एवं अजराड़ा घरानों का सामान्य परिचय एवं वादन शैली का अध्ययन।

इकाई –4

1. निम्नाकिंत तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदानः–
अहमद जान थिरकवा, पं कुदऊ सिंह, उ. अल्लारक्खा खॉ, पं. बाचामिश्र, सखाराम पंत आंग्ले।
2. पाठ्यक्रम के निम्नाकिंत तालों का शास्त्रीय परिचय एवं ठाह, दुगुन की लयकारी में लिखने का ज्ञान
एकताल, रुपक, सूल, तिलवाड़ा, चारताल, दीपचंदी

इकाई –5

संगीत के समसामायिक विषयों में निबन्ध लेखन।

S. Khanwalkar
Sahasrabudhe

बी0ए0 द्वितीय वर्ष (सब्सीडियरी)वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रायोगिक

पूर्णांक :– 60

1- तबले में दाये एवं बायें से निकलने वाले सयुंक्त बोलों का विस्तृत अभ्यास।

2- तबला मिलाने की विधि का संक्षिप्त ज्ञान।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास

एकताल, रुपक, सूल, तिलवाड़ा, चारताल, दीपचंदी

4- उपरोक्त तालों के ठेकों कों बजाने का अभ्यास एवं हाथ से ताली द्वारा पढंत करने का ज्ञान।

5. कहरवा एवं दादरा ताल में दो– दो प्रकारों को बजाने का अभ्यास।

SSahasrabudhe

S. Khanwah.

बी0ए0 तृतीय वर्ष (सब्सीडियरी)वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
संगीत (तबला एवं पखावज)
तृतीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक)
S-3

पूर्णांक :– 60

इकाई –1

1- भारतीय संगीत के इतिहास आधुनिक काल में संगीत की स्थिति का समीक्षात्मक अध्ययन।
2- भारतीय अवनद्ध वाद्यों का सचित्र परिचय एवं बनावट का सामान्य ज्ञान।

इकाई –2

1- संगीत के विकास में प्रचार प्रसार माध्यमों की भूमिका का विश्ले ात्मक अध्ययन।
2- तबला/पखावज वादको के गुण दोषों का सामान्य अध्ययन।

इकाई –3

1- लय तथा लय के प्रकारों का विस्तृत अध्ययन।
2- तिहाई एवं उसके प्रकारों का उदाहरण सहित अध्ययन।

इकाई –4

1. निम्नाकिंत संगीतज्ञों/तबला वादकों का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदानः–
   नारद, आचार्य ब्रहस्पति, पं. कुमार लाल, उ. अमीर हुसैन खॉ,
2. निम्नांकित शब्दावलियों में टिप्पणी लिखने का ज्ञानः–
   नौहक्का, त्रिपल्ली, चौपल्ली, बॉट(चलन), आर्वतन।

इकाई –5

1. पाठ्यक्रम के निम्नाकिंत तालों के ठेको को ठाह दुगुन, चौगुन की लयकारियों में लिखने का ज्ञान।
   धमार, गजझम्पा, झूमरा, पंजाबी, पंचम सवारी, पश्तो।
2. संगीत के समसामायिक विषयों में निबन्ध लेखन।

S. Khanwale

SSahasrabudhe

बी0ए0 तृतीय वर्ष (सब्सीडियरी)वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
संगीत (तबला एवं पखावज)
प्रायोगिक

पूर्णांक :– 60

1- निम्नांकित तालों में स्वतंत्र वादन करने की क्षमता (कोई दो ताल)।

   तीन ताल, झपताल / सूलताल, एकताल / चारताल, रुपक / तीव्रा

2- विभिन्न लय कारियों के मुख्य प्रकारों को बजाने का अभ्यास।

3- पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने का अभ्यास

   धमार, गजझम्पा, झूमरा, पंजाबी, पंचम सवारी, पश्तो।

4- उपरोक्त तालों के ठेकों कों बोलने का अभ्यास एवं हाथ से ताली द्वारा पढ़ंत करने का ज्ञान।

5. कहरवा एवं दादरा ताल में दो– दो लग्गीयॉ बजाने का अभ्यास।

6. लोक संगीत एवं सुगम संगीत में संगत करने का ज्ञान।